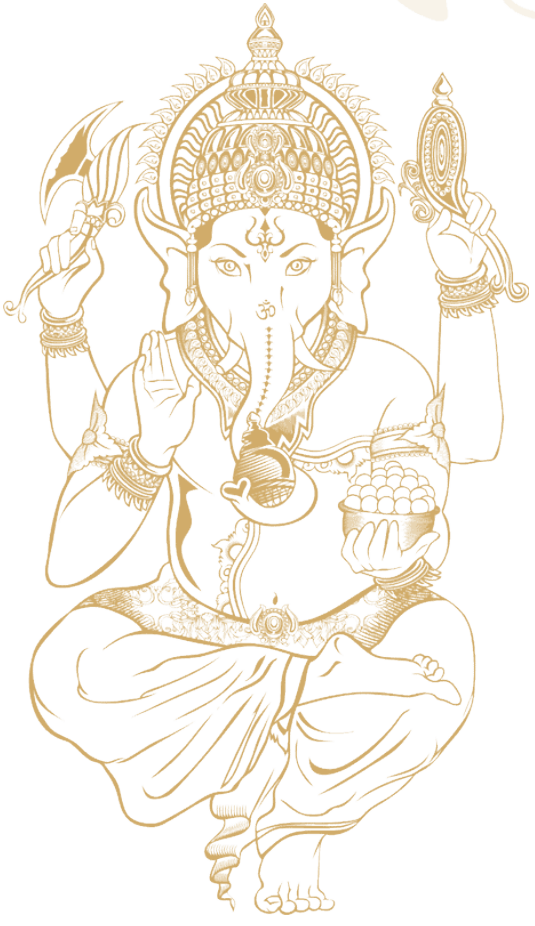

Suraj Thapliyal

14 Aug 1999

01:00 PM

Chamoli

Model: web-freekundliweb

Order No: 121557404

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/08/1999**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**13:00:00 घंटे**
इष्ट	18:23:36 घटी
स्थान	**Chamoli**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:22:00 उत्तर
रेखांश	79:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:12:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:47:16 घंटे
वेलान्तर	-00:04:46 घंटे
साम्पातिक काल	10:16:24 घंटे
सूर्योदय	05:38:33 घंटे
सूर्यास्त	18:55:52 घंटे
दिनमान	13:17:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	27:14:23 कर्क
लग्न के अंश	00:58:58 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सिद्ध
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	टो-टोनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	00:58:58	303:52:05	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
सूर्य			कर्क	27:14:23	00:57:38	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	02:57:43	13:01:28	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
मंगल			तुला	24:34:34	00:33:33	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
बुध			कर्क	08:28:26	00:54:54	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
गुरु			मेष	10:56:47	00:02:07	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र	व	अ	सिंह	06:51:52	00:32:36	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
शनि			मेष	23:06:50	00:01:39	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कर्क	19:05:17	00:00:49	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	19:05:17	00:00:49	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	20:42:27	00:02:22	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप	व		मक	08:37:31	00:01:31	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	13:53:44	00:00:09	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			सिंह	08:15:41	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:54

लग्न-चलित

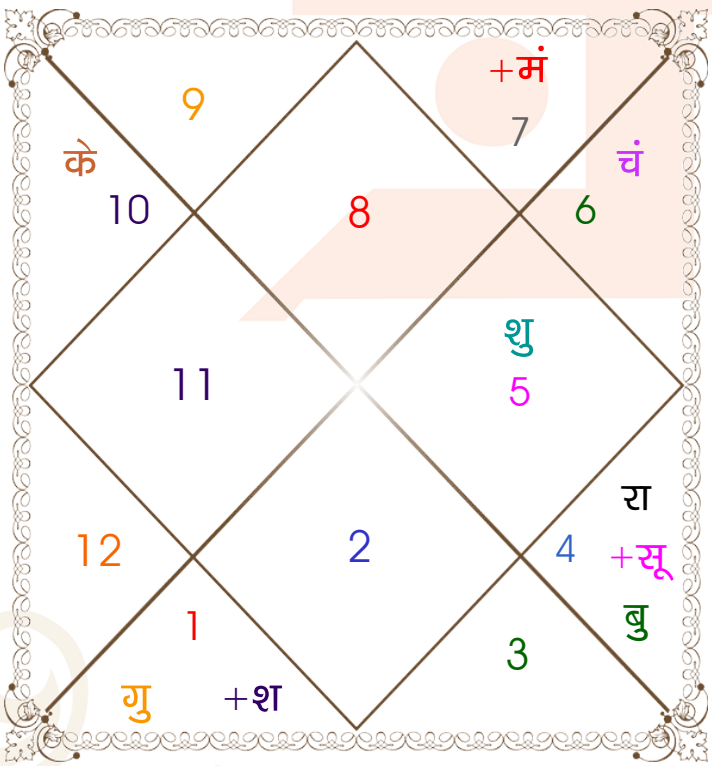

चन्द्र कुंडली

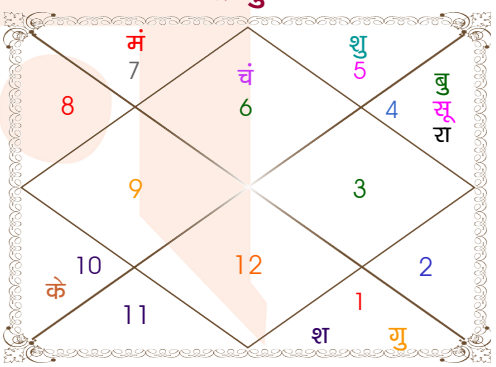

नवमांश कुंडली

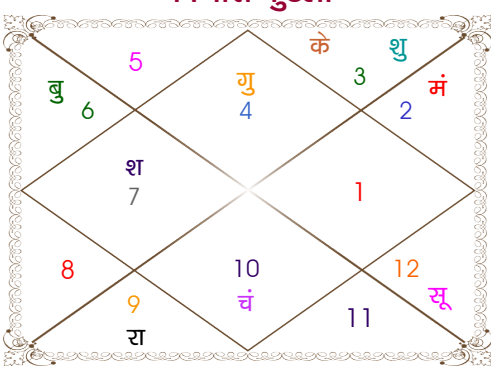

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 2 मास 0 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
14/08/1999		14/10/2002		13/10/2012		14/10/2019		14/10/2037	
14/10/2002		13/10/2012		14/10/2019		14/10/2037		14/10/2053	
	00/00/0000	चंद्र	14/08/2003	मंगल	11/03/2013	राहु	26/06/2022	गुरु	02/12/2039
	00/00/0000	मंगल	14/03/2004	राहु	30/03/2014	गुरु	19/11/2024	शनि	14/06/2042
	00/00/0000	राहु	13/09/2005	गुरु	06/03/2015	शनि	26/09/2027	बुध	19/09/2044
	14/08/1999	गुरु	13/01/2007	शनि	14/04/2016	बुध	14/04/2030	केतु	26/08/2045
गुरु	20/08/1999	शनि	13/08/2008	बुध	11/04/2017	केतु	03/05/2031	शुक्र	26/04/2048
शनि	01/08/2000	बुध	13/01/2010	केतु	07/09/2017	शुक्र	02/05/2034	सूर्य	12/02/2049
बुध	08/06/2001	केतु	14/08/2010	शुक्र	07/11/2018	सूर्य	27/03/2035	चंद्र	14/06/2050
केतु	14/10/2001	शुक्र	14/04/2012	सूर्य	15/03/2019	चंद्र	25/09/2036	मंगल	21/05/2051
शुक्र	14/10/2002	सूर्य	13/10/2012	चंद्र	14/10/2019	मंगल	14/10/2037	राहु	14/10/2053

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
14/10/2053		13/10/2072		14/10/2089		13/10/2096		14/10/2116	
13/10/2072		14/10/2089		13/10/2096		14/10/2116		00/00/0000	
शनि	16/10/2056	बुध	12/03/2075	केतु	12/03/2090	शुक्र	13/02/2100	सूर्य	01/02/2117
बुध	26/06/2059	केतु	08/03/2076	शुक्र	12/05/2091	सूर्य	13/02/2101	चंद्र	03/08/2117
केतु	04/08/2060	शुक्र	07/01/2079	सूर्य	17/09/2091	चंद्र	15/10/2102	मंगल	08/12/2117
शुक्र	05/10/2063	सूर्य	14/11/2079	चंद्र	17/04/2092	मंगल	15/12/2103	राहु	02/11/2118
सूर्य	16/09/2064	चंद्र	14/04/2081	मंगल	13/09/2092	राहु	15/12/2106	गुरु	15/08/2119
चंद्र	17/04/2066	मंगल	11/04/2082	राहु	01/10/2093	गुरु	15/08/2109		00/00/0000
मंगल	27/05/2067	राहु	29/10/2084	गुरु	07/09/2094	शनि	14/10/2112		00/00/0000
राहु	02/04/2070	गुरु	03/02/2087	शनि	17/10/2095	बुध	15/08/2115		00/00/0000
गुरु	13/10/2072	शनि	14/10/2089	बुध	13/10/2096	केतु	14/10/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 2 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।